हम सभी स्वतंत्र तो हो गये... क्या सम्पूर्ण स्वतंत्र हुए...!!!

आज अगर हम किसी से यह पूछें कि 'क्या भारत स्वतंत्र हो गया है?' तो वह आश्चर्यचकित होकर हमें किन्हीं और निगाहों से देखने लगेगा। वह कहेगा, आश्चर्य है, आप ने यह कैसा प्रश्न किया है? आज सारा ज़माना इस बात को मानता है और भारत के हर गांव का हर अपठित व्यक्ति भी इस बात को जानता है कि भारत एक स्वतंत्र देश है। आप कैसे विचित्र व्यक्ति हैं कि भारत को स्वतंत्रता मिले 75 वर्षों के बाद भी यह प्रश्न पूछ रहे हैं? भाई, आपने किस रहस्य को मन में रखकर यह प्रश्न किया है? जिस रहस्य से हमने यह प्रश्न किया है, वह रहस्य ही तो जानने योग्य है। जैसे केले के पत्ते के नीचे और कई पत्ते छिपे होते हैं वैसे ही हमारे इस प्रश्न के पीछे और कई प्रश्न छिपे हुए हैं। यह तो ठीक है कि 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से कानूनी तौर पर भारतवासियों को विदेशियों की हुकूमत से स्वतंत्रता मिल गयी परन्तु उससे क्या हुआ? देखना तो यह है कि जिसे सच्ची और सम्पूर्ण स्वतंत्रता कहते हैं, वह मिली या नहीं मिली? स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमने विदेशों से इतना ऋण लिया है जो कि हम शायद कभी चुका भी नहीं सकेंगे।

देश में बढ़ती हुई अराजकता, उच्छृंखलता और अनुशासनहीनता को देखकर तो बहुत लोग आज यह मानने लगे हैं कि हमने शायद स्वतंत्रता का गलत अर्थ समझ लिया है। जनता आज जिन्हें प्रतिनिधि चुनकर विधान सभाओं में भेजती है, स्वयं वे एक-दूसरे पर मुक्काबाजी करते, एक-दूसरे पर जूते फेंकते, कुर्सियां उठा-उठा कर एक-दूसरे पर फेंकते हैं। यदि इसी का नाम सम्पूर्ण और सच्ची स्वतंत्रता है तब तो हम निस्संदेह स्वतंत्र हो गये हैं। आज राजनीतिक तौर पर स्वतंत्र होने के बाद भी भारत को सच्ची स्वतंत्रता क्यों प्राप्त नहीं है? विचार करने पर आप इसी निर्णय पर पहुंचेंगे कि इसका एकमात्र कारण यह है कि मनुष्यों में चारित्रिक बल की, मनोबल की, बुद्धि बल की, नैतिक बल की और संगठन शक्ति की कमी है।

अतः अब भारत के पुनरूद्धार के लिए ईश्वरीय ज्ञान बल तथा सहज राजयोग बल की आवश्यकता है ताकि उनके विचार उच्च बनें, उनका जीवन सात्विक हो, उनका स्वभाव पवित्र बने और उनका आत्मबल बढ़े तथा विकर्मों की प्रवृत्ति सत्कर्मों की प्रवृत्ति में परिणत हो। आज लोगों ने धर्म से ध्यान हटाकर कर्म को ही प्रधानता दे दी है। उन्होंने परमार्थ को परे फेंक कर केवल व्यवहार को ही अपना लिया है। उन्होंने गृहस्थ को 'आश्रमों' से अलग मानकर, आश्रम अलग बना लिया है। उन्होंने ज्ञान और योग को सन्यासियों की चीज़ मानकर अज्ञान और भोग से जीवन को नष्ट करना ही अपना कर्त्तव्य मान लिया है। आज गृहस्थ की गाड़ी एक ऐसी गाड़ी बन गई है कि जो पुत्र-परिवार भार से भरी हुई है परन्तु जिसके ज्ञान और योग रूपी बाजू जड़जड़ीभूत होकर टूटने की स्थिति में आ पहुंचे हैं और जिसमें कि परमार्थ रूपी घोड़ा उल्टा जुड़ा है। इसलिए यह गाड़ी चल नहीं रही है, यह सुख और शांति की ओर अथवा स्वर्ग तथा सुखधाम की ओर बढ़ नहीं रही है। सतयुग और त्रेतायुग में तो राजा-रानी और प्रजा के जीवन में 'धर्म' दिव्य गुणों की धारणा के रूप में मौजूद था। उस समय धर्म किन्हीं शास्त्रों में पढ़े जाने वाली, मंदिर या मठों में उपदेश की जाने वाली या पण्डितों से सीखी जाने वाली शिक्षा अथवा क्रिया के रूप में नहीं था। परन्तु वह हर नर-नारी के मन, वचन और कर्म में पवित्रता, सद्व्यवहार और सदाचार के रूप में मौजूद था। हम अंग्रेजों से स्वतंत्र होने के बाद धर्म के बंधन से भी स्वतंत्र हो गए।

अतः 'परमार्थ निकेतन' जो परमपिता परमात्मा शिव हैं वह भारतवासियों को सच्ची और सम्पूर्ण स्वतंत्रता देने के लिए अर्थात् मुक्ति और जीवनमुक्ति का वरदान देने के लिए पुनः इस भारत देश में अवतरित हुए हैं। प्रजापिता ब्रह्मा के साकार मानवी तन में प्रविष्ट होकर वह उनके मुखारविन्द द्वारा पुनः गीता-ज्ञान की मुरली बजा रहे हैं। वह ऐसा अमूल्य ज्ञान दे रहे हैं जिससे कि विकारों से तप्त आत्मा को शीतलता मिलती है, प्रकृति की परतंत्रता से पीड़ित आत्मा को शांति प्राप्त होती है। इस ईश्वरीय ज्ञानबल, सहज योगबल, अहिंसा बल तथा पवित्रता बल से ही भारत को सच्चे अर्थों में राजनीतिक, आर्थिक तथा आत्मिक स्वतंत्रता मिलेगी।

कादमा-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा रामबास स्थित ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला में विश्व पर्यावरण माह के दौरान ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग, विश्व युवक केन्द्र तथा ग्रामीण विकास मण्डल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सम्मेलन में जिला परिषद चेयरमैन मंदीप डालावास, ब्रह्माकुमारीज़ की झोझूकलां-कादमा क्षेत्रीय प्रभारी ब्र.कु. वसुधा बहन, जिला पार्षद प्रतिनिधि अशोक थालौर, सरपंच सुधीर शर्मा, पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. हरीश चंद्र, ब्र.कु. ज्योति बहन, रवि जांगड़ा व बिशन सिंह आर्य आदि शामिल रहे। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण हेतु ब्र.कु. वसुधा बहन द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली व ग्रामीण विकास मंडल द्वारा सम्मानित किया गया।

जालंधर-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग भवन,407 आदर्श नगर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आयोजित पाँच दिवसीय 'संस्कार स्पार्किंग समर कैम्प' का शुभारंभ गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती सोनिया धवन ने किया। पाँच दिवसीय समर कैम्प के दौरान बच्चों का विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया गया तथा विभिन्न एक्टिविटीज़ कराई गई। समापन समारोह में डॉ. दीपक चावला,आईएमए प्रेसिडेंट, निशांत चोपड़ा,प्रेज़िडेंट केमिस्ट एंड सर्जिकल एसोसिएशन, संजय चोपड़ा,जनरल सेक्रेटरी केमिस्ट एंड सर्जिकल एसोसिएशन, संजीव पूरी,जनरल सेक्रेटरी केमिस्ट एंड सर्जिकल एसोसिएशन व अन्य गणमान्य लोगों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे। अंत में बच्चों को सर्टिफिकेट और सौगात देकर सम्मानित किया गया।

ओआरसी-गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के भोराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में आयोजित 'चलो भरें नई उड़ान' विषयक त्रिदिवसीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, फरीदकोट पंजाब से आईं राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम बहन व अन्य राजयोग विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागी बच्चों का विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया गया। शिविर के दौरान बच्चों को योग की बारीकियां समझाई गई। बच्चों ने शारीरिक व मानसिक स्तर पर आयोजित अनेक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी।

दुमका-झारखंड। विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण करते हुए ब्र.कु. जयमाला बहन, योग आचार्य राजीव कुमार तथा अन्य भाई-बहनें।

काकद्वीप-प.बंगाल। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सुंदरवन में पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण के प्रति जागरुकता के साथ-साथ सभी को आध्यात्मिक ज्ञान भी दिया गया।

आगरा-आर्ट गैलरी म्यूज़ियम(उ.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में सभी हॉस्पिटल्स की सभी नर्सेस शामिल हुईं। इस अवसर पर स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ब्र.कु. मधु बहन, ब्र.कु. माला बहन एवं ब्र.कु. संगीता बहन ने अपने विचार रखते हुए सभी का मार्गदर्शन किया।

आस्का-ओडिशा। बीजू पटनायक इंग्लिश मीडियम स्कूल,शेरगढ़ के वार्षिक समारोह के दौरान मंचासीन हैं अंजलि स्वैन,अध्यक्ष,जिला परिषद,गंजाम, ब्र.कु. प्रवाती बहन,मुख्य वक्ता, सलाहकार बहन सुनीता बिशोयी, गौरव बिशोयी,प्रिंसिपल तथा अन्य।

जयपुर-वृंदावन विहार(राज.)। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में योगाचार्य राकेश भारद्वाज, मणिपाल विश्वविद्यालय के एचडीओ, ब्र.कु. सरिता, ब्र.कु. खुशी तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे। इस मौके पर सभी ने राजयोग मेडिटेशन व शारीरिक योगाभ्यास किया।

फर्रुखाबाद-बीबीगंज(उ.प्र.)। मेटाफोर्स उद्यमियों के लीडरशिप मीटिंग में मोटिवेशन सत्र के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. गिरजा बहन, हरिराम सिंह,एड., शिवराम कश्यप, डॉ. प्रमोद कुमार, अंकित गुप्ता तथा अन्य।